संपादन एवं संचालन
एकलव्य
ई-10 शंकर नगर बी.डी.ए. कॉलोनी,
शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.) 462 016
फोनः 0755 - 2550976 0755 - 2671017
ई-मेलःsrote@eklavya.in, srotefeatures@gmail.com
www.eklavya.in

स्रोत

विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

जून 2014
वर्ष-8 अंक-06 (पूर्णांक 305)

संपादक
सुशील जोशी

सहायक संपादक
अफसाना पठान

आवरण डिज़ाइन
कनक शशि

उत्पादन सहयोग
कमलेश यादव
राकेश खत्री
इंदु नायर

वितरण
झनक राम साहू

वार्षिक चंदा
व्यक्तिगत 150 रुपए
संस्थागत 300 रुपए
एक प्रति 15 रुपए

चंदे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें।

कुत्ते रोते क्यों हैं?	श्रुति शर्मा	2
अपनी बिजली खुद बनाते लोग	रेणु भट्टाचार्य	5
डीज़ल का धुआं और कैंसर की बढ़ती आशंका	डॉ. जयप्रसाद त्रिपाठी	6
घोषणा पत्रों में विज्ञान की अनदेखी	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	8
स्टेम कोशिका शोधकर्ता ने माफी मांगी		9
सुनील जी जिन्होंने सार्थक विकास की राह दिखाई	भारत डोगरा	10
ब्रह्मांड के फैलाव का मिला राज़	रेणु भट्टाचार्य	11
विमानों के ब्लैक बॉक्स क्या हैं?	बिमल श्रीवास्तव	12
चुनाव में स्वास्थ्य व शिक्षा पर सार्थक बहस ज़रूरी	भारत डोगरा	16
आर्सेनिक प्रदूषण से निपटने का एक तरीका		17
कार्यस्थल पर स्वास्थ्य के खतरे	डॉ. जयप्रसाद त्रिपाठी	18
टीवी देखना और स्वास्थ्य		21
सजीवों का एक प्रमुख घटक नाइट्रोजन	डॉ. विजय कुमार उपाध्याय	22
कैंसर से बचाव व समय पर इलाज का अभियान	भारत डोगरा	24
मधुमक्खियां गायब हो रही हैं		26
दवा देने के लिए टेटू	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	27
ई-सिगरेट से धूम्रपान छोड़ने में मदद नहीं मिलती		28
24 घंटे बिजली का नया नुस्खा	रेणु भट्टाचार्य	29
ब्राह्मी - मस्तिष्क का भोजन	डॉ. ओ.पी. जोशी	30
कैंसर के इलाज में तंबाकू के उपयोग का सच	प्रमोद भार्गव	31
दवाइयों की जांच किन जंतुओं पर करें?		33
गेहूं की उपज बढ़ाने के प्रयास		34
एक सूक्ष्मजीव ने 90 फीसदी प्रजातियों की जान ली थी		35
क्या कुछ जंतु छोटे हो रहे हैं?		36
बैक्टीरिया की एक और करामात		37

आवरण चित्र - शिवांगी सिंह

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है। यहां प्रकाशित सामग्री का उपयोग गैर व्यावसायिक कार्यों के लिए करने हेतु किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं है। स्रोत का उल्लेख अवश्य करें।